इंडिया इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनैंस कंपनी लिमिटेड
भारत सरकार का उद्यम
आईएसओ 9001:2015 प्रमाणित कंपनी

सीएसजीएल (CSGL) और टीआरईपी (TREP) सुविधा प्राप्त करने हेतु निविदाओं के लिए अनुरोध

1. इंडिया इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस कंपनी लिमिटेड (IIFCL) एक पूर्ण स्वामित्व वाली भारत सरकार की कंपनी है जो सिफ्टी के रूप में संदर्भित व्यवहार्य इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए योजना के माध्यम से व्यवहार्य बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए दीर्घकालिक वित्त प्रदान करने में लगी हुई है। IIFCL को सार्वजनिक वित्तीय संस्थान का दर्जा प्राप्त है और यह भारतीय रिजर्व बैंक के साथ एक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी - इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस कंपनी (NBFC-IFC) के रूप में भी पंजीकृत है।

2. वर्षों से, अपने शासनादेश के अनुसार, IIFCL देश भर में बिजली, सड़क और राजमार्ग, बंदरगाह, हवाई अड्डे, नवीकरणीय ऊर्जा, शहरी बुनियादी ढांचा आदि सहित बुनियादी ढांचा क्षेत्र में विभिन्न परियोजनाओं के वित्तपोषण के क्षेत्र में प्रत्यक्ष ऋण, अंतरण (टेकआउट) , अधीनस्थ ऋण आदि जैसी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से सक्रिय भूमिका निभा रहा है।

3. IIFCL सरकारी प्रतिभूतियों में दीर्घकालिक निवेश के परिप्रेक्ष्य में निवेश में भी शामिल रहा है। आगे बढ़ते हुए, IIFCL का लक्ष्य सरकारी प्रतिभूतियों, टी-बिल्स, टीआरईपी (TREP) और सीआरओएम (CROM) जैसे उपकरणों में व्यापार करना है।

4. इसके संबंध में, सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश और व्यापार करने के लिए, IIFCL को CSGL खाते और TREP सुविधा की आवश्यकता होती है जो सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश में तरलता सुनिश्चित करती है।

5. उपरोक्त के मद्देनजर, IIFCL को अपने ग्राहकों को CSGL और TREP सुविधाएं एक साथ प्रदान करने के लिए RBI और भारतीय समाशोधन निगम लिमिटेड (CCIL) द्वारा अधिकृत बैंकों से बोली आमंत्रित करने की आवश्यकता है।

6. <u>कार्यक्षेत्र:</u> भाग लेने वाले वित्तीय संस्थानों/बैंकों को CSGL और TREP सुविधा प्रदान करने के लिए निम्नलिखित विवरणों के साथ कोटेशन भेजना आवश्यक है:
    a. CSGL खाता खोलना: 5300 करोड़ रुपये और उससे अधिक की अभिरक्षा में अनुमानित संपत्ति।
    b. TREP सुविधा की उपलब्धता
    c. प्रतिभूतियों के व्यापार के लिए एनडीएस-ओएम (वेब) प्लेटफॉर्म तक पहुंच

7. <u>अन्य शर्तें:</u> भाग लेने वाले वित्तीय संस्थानों/बैंकों के लिए निम्नलिखित आवश्यक हैं:

   a. इस आरएफक्यू (RFQ) के बंद होने से 45 दिनों की अवधि के लिए कोटेशन को वैध रखें।

   b. कोटेशन सभी समावेशी यानी सेवा शुल्क, कर और किसी भी अन्य शुल्क/लागत सहित प्रस्तुत किए जाएंगे।

   c. कोटेशन नीचे दिए गए प्रारूप में प्रस्तुत किए जा सकते हैं:

वर्ग	लागत	वेटेज
तय लागत	प्रति वर्ष	50%
परिवर्तनीय लागत	प्रति करोड़	50%

(भारित औसत लागत की गणना का एक उदाहरण परिशिष्ट A में दिया गया है)

   d. बिलिंग चक्र त्रैमासिक होगा।

   e. बोली खोलने और बंद करने की समयावधि: 30 जनवरी 2023 को सुबह 10 बजे से 10 फरवरी 2023 को दोपहर 3 बजे तक।

   f. बोलीदाताओं से अनुरोध किया जाएगा कि वे अपनी बोलियां पासवर्ड संरक्षित पीडीएफ के माध्यम से जमा करें।

   g. 10 फरवरी, 2023 को बोली बंद होने के 30 मिनट के भीतर, यानी दोपहर 3 बजे से 3.30 बजे तक मेल पर पासवर्ड साझा करना होगा।

   h. एजेंसियों से अनुरोध किया जाता है कि वे पासवर्ड से सुरक्षित ईमेल में "CSGL के लिए सेवाओं के लिए कोटेशन और IIFCL को TREP सुविधा के लिए कोटेशन" के साथ बोली जमा करें।

   i. 3 साल के लिए के लिए अनुबंध किया जाएगा।

   j. सेवाओं में किसी भी कमी के मामले में IIFCL सेवाओं को समाप्त करने का अधिकार रखता है।

8. चयन IIFCL को न्यूनतम लागत के आधार पर होगा।

9. भाग लेने वाले वित्तीय संस्थान/बैंक काम के दायरे से संबंधित स्पष्टीकरण यदि कोई हो तो केवल 3 फरवरी, 2023 तक palak.singh@iifcl.in पर ईमेल के माध्यम से मांग सकते हैं।

10. IIFCL बिना कोई कारण बताए बोली प्रक्रिया को रद्द करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

11. सफल एजेंसी को अपने असाइनमेंट के उद्देश्य के लिए डीजीएम/जीएम (DGM/GM) (संसाधन और ट्रेजरी) के साथ रिपोर्ट करने और बातचीत करने की आवश्यकता होगी।

परिशिष्ट A

लागत के लिए भारित स्कोर की गणना पर उदाहरण

आइए मान लें कि नीचे दी गई लागत मैट्रिक्स तीन विक्रेताओं – A, B और C द्वारा साझा की गई है:

लागत वर्ग	यूनिट	A	B	C
तय लागत	रु. (लाख में)	1	10	5
परिवर्तनीय लागत	रु. प्रति करोड़	25	10	15

अब एकसमान इकाई में लागत मैट्रिक्स यानी रुपये में, प्रति वर्ष 75000 करोड़ रुपये की ट्रेडिंग मात्रा मानते हुए इस प्रकार होगा:

लागत वर्ग	यूनिट	A	B	C
तय लागत	रु.	1,00,000	10,00,000	5,00,000
परिवर्तनीय लागत	रु.	18,75,000	7,50,000	11,25,000

उपरोक्त कुल लागत के आधार पर, प्रत्येक विक्रेता की भारित लागत, स्थिर और परिवर्तनीय लागत दोनों के लिए 50% भार के आधार पर, निम्नानुसार गणना की जाएगी:

	स्थिर लागत और परिवर्ती लागत के लिए भारांक लागू करना	भारित औसत लागत	रैंक
A	1,00,000 * 50% + 18,75,000 * 50%	9,87,500	L3
B	10,00,000 * 50% + 7,50,000 * 50%	8,75,000	L2
C	5,00,000 * 50% + 11,25,000 * 50%	8,12,500	L1

विक्रेता का चयन न्यूनतम लागत के आधार पर किया जायेगा। इसलिए, सबसे कम भारित औसत लागत वाले विक्रेता को निविदा के लिए चुना जाएगा, जो उपरोक्त उदाहरण में विक्रेता C है।